भारत - मध्य अफ्रीकी गणराज्य संबंध

भारत और मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सी ए आर) के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। मध्य अफ्रीकी गणराज्य ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। दोनों ही देश विद्यमान संबंधों को सुदृढ़ करने के इच्छुक हैं।

द्वितीय उप प्रधानमंत्री तथा विदेश, अफ्रीकी एकीकरण, फ्रांकोफोन तथा प्रवासी मध्य अफ्रीकी मामले मंत्री श्री परफिएट एनीसेंट एम्बे ने 17 से 19 मार्च, 2013 के दौरान भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर आयोजित 9वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री फॉस्टिन अर्चांजें टौवाडेरा ने 18 से 20 मार्च, 2012 के दौरान भारत का दौरा किया तथा उनके साथ एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भी आया था जिसमें एक कैबिनेट मंत्री (विदेश मंत्री, परिवहन मंत्री, ऊर्जा एवं हाइड्रोलिक मंत्री, कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री, वाणिज्य मंत्री तथा मंत्री एवं राष्ट्रपति के कैबिनेट के निदेशक), वरिष्ठ अधिकारी तथा मध्य अफ्रीकी गणराज्य के वाणिज्य चेंबर के सदस्य शामिल थे। इस शिष्टमंडल ने भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना के तहत आठवीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया। इस गोष्ठी में मध्य अफ्रीकी गणराज्य मेहमान देश था। मध्य अफ्रीकी गणराज्य के प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से मुलाकात की।

विदेश मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल अंटोने गैम्बी ने पहले नई दिल्ली में आयोजित एल डी सी विदेश मंत्री सम्मेलन के लिए 18-19 फरवरी, 2011 को भारत का दौरा किया था और पुन: मार्च, 2011 में भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी के तहत 7वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 14 से 16 मार्च, 2010 के दौरान आयोजित 6वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया। इस शिष्टमंडल में उप वित्त मंत्री तथा मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति के सलाहकार शामिल थे।

आर्थिक आयोजना एवं अतंर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री तथा ऊर्जा मंत्री तथा संचार मंत्री ने 27 से 29 फरवरी, 2011 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 7वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लिया।

करार / एम ओ यू

भारत और मध्य अफ्रीकी गणराज्य के बीच निम्नलिखित द्विपक्षीय करार / एम ओ यू विद्यमान हैं

- 3 सितंबर, 2010 को हस्ताक्षरित विदेश कार्यालय परामर्श
- होल - इन - वाल शिक्षा परियोजना के तहत दो अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए एम ओ यू, जिस पर 3 सितंबर, 2010 को हस्ताक्षर किए गए।
- बंगुई में एक आईटी उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एम ओ यू, जिस पर मार्च, 2010 में हस्ताक्षर किए गए।

<u>विदेश कार्यालय परामर्श :</u> दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच पहला विदेश कार्यालय परामर्श मध्य अफ्रीकी गणराज्य की राजधानी बंगुई में 17 जनवरी, 2011 को हुआ। द्विपक्षीय हित के मुद्दों तथा दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश एवं तकनीकी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

<u>मध्य अफ्रीकी गणराज्य के लिए भारत की आर्थिक सहायता :</u>

ऋण प्रदान करने के स्वरुप (लाइन आफ क्रेडिट) : भारत सरकार ने मध्य अफ्रीकी गणराज्य के लिए निम्नलिखित ऋण सहायता को अनुमोदित किया है :

- बंगुई में प्रतिदिन 400 मीट्रिक टन उत्पादन क्षमता के सीमेंट प्लांट के निर्माण एवं अधिष्ठापन के लिए 24 मिलियन अमरीकी डालर की एल ओ सी परियोजना उस समय पूरा होने के कगार पर थी जब वर्ष 2014 के पूर्वार्ध में मध्य अफ्रीकी गणराज्य में सुरक्षा कारणों से सभी भारतीय मजदूरों को वहां हटना पड़ा।
- 100 बसों, अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति तथा इन बसों के लिए एक वर्कशॉप के निर्माण के लिए 5.5 मिलियन अमरीकी डालर। बसों की आपूर्ति की जा चुकी है तथा वे बंगुई एवं अन्य अंतर्राज्यीय मार्गों पर चल रही हैं। इन बसों के लिए वर्कशॉप के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।
- चूना - पत्थर के खनन के लिए 20 मिलियन अमरीकी डालर तथा दो जल विद्युत परियोजनाओं के लिए 39.69 मिलियन अमरीकी डालर की दो अन्य एल ओ सी मध्य अफ्रीकी गणराज्य द्वारा हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं।

<u>दान एवं अनुदान :</u>

होल - इन - वाल कंप्यूटर शिक्षा परियोजना के तहत दो अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए तथा 31 अगस्त, 2011 को उनका उद्घाटन किया गया।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना लागू की गई है। टेली-एजुकेशन, टेली-मेडिसीन तथा वी वी आई पी कनेक्टिविटी बंगुई में स्थापित की गई है।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

वर्ष 2012-13 के लिए आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत 25 स्लॉट आवंटित किए गए जिनमें से 7 का उपयोग किया गया। एआईएफएस के एक स्लॉट का भी उपयोग किया गया। 4. मध्य अफ्रीकी गणराज्य की महिलाओं ने 2014 - 15 के दौरान बेयरफुट कॉलेज, राजस्थान में सौर विद्युतीकरण तथा रूफटाप जल संचयन पाठ्यक्रम में आई टी ई सी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध :

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में राजनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी ऊथल-पुथल के लंबे इतिहास की वजह से दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत कम है। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में भारी मात्रा में प्राकृतिक संसाधन जैसे कि डायमंड, गोल्ड, यूरेनियम, टिंबर, ऑयल एवं जल विद्युत है तथा द्विपक्षीय सहयोग की प्रचुर संभावनाएं हैं।

द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ें यहां नीचे दिए गए हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
निर्यात	2.41	1.31	2.42	5.20	3.52	6.28	8.15	7.73	7.76
आयात	0.44	1.15	2.45	0.67	1.55	2.08	1.99	0.91	0.63

भारतीय समुदाय :

इस समय राजनीतिक एवं सुरक्षा स्थिति की वजह से लगभग 10 भारतीय मध्य अफ्रीकी गणराज्य में रह रहे हैं। वे मुख्य रूप से व्यापार की गतिविधियों में लगे हुए हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, किंशासा की वेबसाइट :

http://eoi.gov.in/kinshasa/

***

जून, 2015